What is a Lutheran?

एक लूथरन कौन है?

एक लूथरन कौन है?

एक लूथरन, मार्टिन लूथर का अनुगमन करनेवाला य उनका अनुकरण करनेवाला, यह विचार संपूर्ण गलत है। हम मार्टिनलूथर का नहीं परन्तु हमारे प्रभु यीशु मसीह जो हमारा उद्धारकर्ता है उनका अनुगमन और उनका अनुकरण करते है। मार्टिन लूथर तथा में और आप, हम सब मिटि का पात्र है और सुसमाचार जो अनमूल वस्तु के रूप में दुनिया में फैलाता है। देकर पापमय मिटि का पात्रों तो है लेकिन परमेश्वर हमारे प्रभु यीशु के द्वारा पापों से छुटकारा देकर हमें महिमामय पात्र बनाया है और महिमामय सुसमाचार प्रचार का भार हमको दिया है। मार्टिन लूथर के जैसे हम भी निम्न विषयों पर विश्वास करते है, हम उद्धार पाते है–

सिर्फ अनुग्रह के द्वारा
सिर्फ विश्वास के द्वारा
सिर्फ मसीह के द्वारा
और सिर्फ वचन के द्वारा

हम साधारण रूप से लूथर का नाम इसलिए लेते है कि हम दूसरों सांप्रदायिक मसिही कलिसियाओं से अपने को अलग करे। हम अन्य लूथरन कलिसियाओं से भी अलग है इसलिए हम अपने आप को चर्च आफ् लूथरन कनफेशन कहलाते है।

हम केवल अनुग्रह ही से उद्धार पाया है।

"क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है– और यह तुम्हारी ओर से नहीं वरन् परमेश्वर का दान है, यह कार्यों के कारण नहीं जिससे कि कोई धमण्ड करे।"

– इफिसियों 2 : 8-9

अनुग्रह का अर्थ है दया या कृपा जिसका हम हकदार या योग्य नहीं है। ये अनुग्रह उद्धार के रूप में हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेममय काम के द्वारा मिला। छुटकारा के लिए हम को कुछ करना जरूवत्त नहीं है। छुटकारा बिना मूल्य में दान के रूपमें हमारे प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से पिता परमेश्वर ने हमें दी है। वह दुनिया में अपनी इच्छा से आया और एक पवित्र और शिद्ध जीवन जिया जो हम नहीं कर सकते थे। वह जब ऐ काम किया तो उसने परमेश्वर का व्यवस्था का पूरा किया। परमेश्वर कहता है। "तुम शिध बनों क्योंकि में तुम्हारा परमेश्वर शिध हूँ। (1 पतरस 1 : 16) 'क्योंकि वचन के अनुसार हम अशुध है' इसलिए हमारे प्रभु यीशु मसीह मनुष्य के रूप लिया और दुनिया में आया तथा हमारे जैशे अशुध मनुष्यों के लिए एक पवित्र और शुद्ध जीवन जीआ परमेश्वर पापका मज़दुरी मृत्युका दाबा करता है। यदि आप व्यवस्था का कोई भी एक ही आज्ञा का उल्लंघन करते है तो आप पवित्र वचन के अनुसार समग्र व्यवस्था उल्लंघन का दोषी बनजाते है।

"क्योंकि जो कोई सम्पूर्ण व्यवस्था का पालन करता हो और फिर भी किसी एक बात में चूक जाए तो वह सारी व्यवस्था का दोषी ठहरता है।"

– याकूब 2 : 10

बाइबल कहती है जो प्राणी पाप करता है। वह निश्चय मरेगा।

"देखो, सब प्राण मेरे हैं, जैसे पिता का प्राण वैसे ही पुत्र का प्राण दोनों मेरे हैं, जो कोई पाप करे कही मरेगा।"

– येहजकेल 18 : 4

"वह तुच्छ जाना गया और मनुष्यों का त्यागा हुआ था। वह दुखी पुरुष था और पीड़ा से उसकी जान पहचान थी। वह ऐसे मनुष्य के समान तुच्छ जाना गया जिस से लोग मुख फेर लेते हैं, और हमने उसका मूल्य न जाना।"

– यशायाह 53 : 3

वह यीशु मसीह यह हमारे जैसे ही पापीओं के लिए किया जो उसका योग्य नहीं थे। उसका प्रेम कितना महान है। जब वह क्रूश पर मारा गया। तब कहा, "सब कुछ पूरा हुआ" अर्थ यह है कि दुनिया को पाप से बचाने का काम उन्होंने पूरा किया। परमेश्वर शिधता का दाबा करता है और हमारे प्रभु यीशु मसीह परमेश्वर का शिध और शुद्ध मेम्ना है जो दुनिया को पापों से बचाता है और शुध बनाता है। (यूहन्ना 1 : 29) पाप का मज़दूरी मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर ने अपनी एकलौता पुत्र को हमारी लिए और हमारे जगा पर दण्ड सह कर दुख उठा कर मरने को भेजा।

अब प्रेरित पौलुस लिखता है कि "यह परमेश्वर का दान है (उद्धार) उद्धार का काम हमारे प्रभु यीशु मसीह ने किया है और उद्धार प्रभु यीशु मसीह के द्वारा कमाई गई है। उदाहरण के लिए – समज लिजिए कि कोई एक व्यक्ति एक करोड़ रुपए लेकर आप को देने आता है।" और आप उसके बारे में नहीं जानते आप आलस होकर कुछ नहीं किए है। ये रूपाया आपके पाश प्रत्यक्ष रूप में, आ पहुँचा है और आप उसके लिए कोई परिश्रम नहीं किए है। वास्तव में आप उस रुपाया का हक दार नहीं है परन्तु कोई आपका ऊपर तरस खाकर दान के रूप में आपको देता है। प्रभु यीशु मसीह में भी उद्धार इस प्रकार ही है। यह एक दान के रूप में हमको दिया जाता है। इसे देने वाला हमारा प्रेमी और स्वर्गीय अनुग्रकारी परमेश्वर है। यदि आप जीवन भर भी उद्धार के लिए मेहनत करेंगे फिरभी इसे आप कमा नहीं सकते।

खेद कि बाद है कि कुछ लोक यह कहते है कि मनुष्य अपनी अच्छे कार्यों के द्वारा उद्धार को कमा सकता है, इस शिक्षा से वे सुधारना आवश्यक है। बाइबल हमें यहबताती है कि हम अनुग्रह से उद्धार पाए; यदि परमेश्वर का अनुग्रह दान से दिया कामों से नहीं, अतएव परमेश्वर अपनी जनों को सुधारना चाहता है। वह यह चाहता है कि उनका जन उद्धार के बारे में सही बाइबल कि शिक्षा को जान लें जैसे हम पढ़ते है–

"इसलिए परमेश्वर ने उन्हें उनके मन की वासनाओं की अशुद्धता के लिए छोड़ दिया, कि उन के शरीरों का आपस में अनादर हो।"

– रोमियो 3 : 24

रोमान काथोंलिक चर्च के लोगों का कहना है कि मदेर मेरी और कुछ साधुओं ने अपनी किए हुए अच्छे कामों के द्वारा पापों से छुटकारा और उद्धार को कमा चुके है। हम उनकि भलेकामों से भी कुछ भाग से उद्धार का दबा कर सकते है।

ऐ एक बकवास है। क्योंकि परमेश्वर का वचन शिक्षा देती है कि सब ने पाप किया और परमेश्वर के महिमा से दूर किए गये। जैसे पढ़ते है–

"इसलिए कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।"

– रोमियों 3 : 23

रोमनकथोंलिक चर्च के इस गलत शिक्षा (अच्छे कामों से उद्धार) की कारण से ही हम उन से अलग है। हम आपने आप को लूथरान कहलाते है इसका कारण है कि हम मार्टिन लूथर के समान सच्चा और सही पवित्र शास्त्र की शिक्षा पर विश्वास करते है।

हम सिर्फ विश्वास के द्वारा ही उद्धार पाया है–

"अर्थात् परमेश्वर की वह धार्मिकता जो यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा सब विश्वास करनेवालों के लिए है। कुछ भेद तो नहीं; इसलिए कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।"

– रोमियों 3 : 22-23

डॉ. मार्टिन लूथर ने आत्मा में होकर रोमियों कि पत्री और गलातियों की पत्री का अध्ययन किया, फिर इस नतीजा में पहुंचा कि केवल विश्वास के द्वार ही

उद्धार पाया जा सकता है। परमेश्वर के सामने हम यीशु मसीह में और उनका कृश के कठिन मृत्यु के द्वारा धार्मिक और पवित्र जन कहलाया जाते है। यीशु मसीह का धार्मिकता हमारे अधार्मिकता को ढाकता है। जब पिता परमेश्वर हमें यीशु मसीह में होकर देखता है तो हम उनका धार्मिक संतान दिखते है, विश्वास से हम अपने उद्धार में यीशु मसीह का धार्मिकता को धारण करते है।

"अर्थात् परमेश्वर की वह धार्मिकता जो यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा सब विश्वास करनेवालों के लिए है। कुछ भेद तो नहीं।"

– रोमियों 3 : 22

"वे उसके अनुग्रह ही से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं। उसी को परमेश्वर ने उसके लहू में विश्वास के द्वारा प्रायश्चित ठहराकर खुल्लंमखुल्ला प्रदर्शित किया। यह उसकी धार्मिकता को प्रदर्शित करने के लिए हुआ, क्योंकि परमेमश्वर ने अपनी सहनशीलता में, पाहल ाकए गए पापों को भुला दिया।"

– रोमियों 3 : 24-25

छुटकारा विश्वास के द्वारा जो दान के रूप में हम ग्रहण करते है हम उसके लिए न तो परिश्रम करते है न इसे कमा सकते है। हम कह सकते है विश्वास ग्रहण करने वाला हात है जो छुटकारा जैसा दान को ग्रहण कर सकता है। जैसे जमिन बर्सात कि पानी को ग्रहण करती है वैसे ही हम छुट्करा को या उद्धार को बिना मूल्य ग्रहण करते है। कुछ लोक गलत शिक्षा देते है कि विश्वास परमेश्वर का मनुष्य के ऊपर अनुग्रह का काम नहीं है परन्तु मनुष्य के अन्दर उत्पन्न होता है। हम छोटा काटेतिजम में लिखा गया निम्न लिखित वचन को विश्वास करते है। "मैं विश्वास करता हूँ कि में अपनी शक्ति या सामर्थ से प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास नहीं कर सकता न तो उनके पास आ सकता, परन्तु, पवित्र आत्मा मुझे सुसमाचार के द्वारा बुलाया है, अपनी बरदानों से मुझे प्रकाशमय किया है; मुझे

पवित्र बना कर सच्चा और सत्य विश्वास में स्थिर करता है। ठिक ऐसे ही वह दुनिया में कलिसीया को बुलाता है, एकत्रीत करता है पवित्र और प्रज्वलित करता है तथा एकमात्र विश्वास में स्थिर करता है। मेरा कोई भी अच्छाई से यह विश्वास नहीं आया बल कि यही परमेश्वर का दान पवित्र आत्मा मुझे देता है। विश्वास ग्रहण करनेवाला हात है जो पवित्र आत्मा के द्वारा दृढ़ किया जाता है।

हम लुथरन चर्च वालों दूसरों कलिसीयों से अलग, जो विश्वास के लिए मनुष्यों को महिमा देते है। कुछ लोक अपनी निर्णय के बारे में वात करते है; अर्थात् प्रभु यीशु मसीह को अपनी उद्दार कर्त्ता के रूप में ग्रहण करने का वे निर्णय लेते है। यदि विषय इस प्रकार है तो हमारे प्रभु यीशु मसीह कहता है कि में तुमको चुन लिया है, तुम मुझे चुना नहीं और कुछ लोग अपनी विश्वास करने का या विश्वास नहीं करने का कारण बताते है, परन्तु वे जब ऐसा करते है तो वे पवित्र आत्मा का विरोध करते है। क्या प्रेरित पाऊलुस ने अविश्वास किया था दूसरों कि जैसा पवित्र आत्मा का विरोध किया था? अवश्य नहीं, प्रेरित पऊलूस के समान कोई व्यक्ति नहीं है जो प्रभु यीशु मसीह के खिलाफ जा सकें, जैसे पढ़ते है- **"परन्तु शाऊल घर घर जाकर कलीसिया को उजाड़ने और स्त्री-पुरुषों को घसीट-घसीट कर बन्दीगृह में डालने लगा।"**

– प्रेरितों के काम 8 : 3

यह परमेश्वर का सामर्थ है जो साऊल के समान एक प्रभु को सतानेवाला व्यक्ति को एक प्रेरित और मिशिनेरी के रूप में बदलता है। और कुछ लोग कहते है कि मनुष्य का बचाव का काम में या मन किराब काम जब परमेश्वर करता है तब लोक उनका योगदान करते है या मदत करते है। सांसारिक मनुष्य संपूर्ण रीति से आत्मिक बातों में अज्ञान है। वह पाप में मरा हुआ है। जैसे बाइबल में हम पढ़ते है- **"तुम तो उन अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे।"**

– इफिसियों 2 : 1

"परन्तु शारीरिक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा की बातों को ग्रहण नहीं करता, क्योंकि वे उसके लिए मूर्खतापूर्ण है और वह उन्हें समझ नहीं सकता क्योंकि उनकी परख आत्मिक रीति से होती है।"

– 1 कुरिन्थियों 2 : 14

जैसे अंतिम दिन में शरीर के रूप में मरे हुए सब के सब जिन्दा हो जाएंगे कि वैसे ही बचाव के काम में आत्मिक रूप से मरे हुए लोक परमेश्वर का सामर्थ्य के द्वारा हमारे प्रभु यीशु मसीह के जरिया से जिलाये जाएंगे।

पवित्र आत्मा का मदत के बिना कोई व्यक्ति यह कह नही सकता कि यीशु मसीह प्रभु है। पवित्र वचन पवित्र आत्मा का हतियार है। पवित्र आत्मा, बुलाता है, एकत्रीत करता है, प्रज्ज्वलित करता है, एवं पवित्र भी बनाता है। लूथरन के कारण हम विश्वास करते है कि विश्वास पवित्र आत्मा के द्वारा आता है उद्धार के समान विश्वास भी परमेश्वर का दानों में से एक है। इस विश्वास के द्वारा परन्तु भले कामों के द्वारा नहीं हम उद्धार पाते है।

सिर्फ यीशु मसीह के द्वारा हम उद्धार पाते हैं। "किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया है जिसके द्वारा हम उद्धार पाए।"

– प्रेरितों के काम 4 : 12

संपूर्ण बाइबल पवित्र शास्त्र यह बताती है कि हमारे प्रभु यीशु मसीह ही एक मात्र दुनिया का उद्धारकर्ता है। हमारे पिता परमेश्वर ने हमारे सारे गुनाओं का भार यीशु पर सौंप दिया। मदर मेरी भी दुनिया के अन्य पापीओं में से एक है। हमारे प्रभु यीशु मसीह को जन्म देने का अनुग्रह पिता परमेश्वर ने मदर मेरी को दिया था। यह वास्तविक सत्य है कि हमारे प्रभु यीशु मसीह के बहुमूल्य लहू के बिना मदर मेरी को भी दूसरों पापीओं के समान पापों से क्षमा और उद्धार का पाना कठिन है। परमेश्वर का मेमना एक मात्र है जो सारे दुनिया का पापको उठा ले

जाता है। **दूसरे दिन उसने यीशु को अपनी ओर आते देख कर कहा, "देखो, परमेश्वर का मेमना जो जगत कापाप उठा ले जाता है।"**

– यूहन्ना 1 : 29

वह पुराना नियम का तमाम भविष्यवाणियों का उत्पत्ति 3 : 15 से लेकर मलखि 4 : 2 तक पूरा किया है। वह आल्फा और उमेगा है। वह हमारा इम्मानुयेल है अर्थात् परमेश्वर हमारे साथ। पवित्र शास्त्र साफ साफ बताने पर भी रोमान काथोलिक और भी कुछ कलीसियाएं है जो मदर मेरी निवेदन करते और कहते हैं कि वह उनके लिए प्रभु यीशु मसीह से कहे, **"क्योंकि परमेश्वर एक ही है और परमेश्वर तथा मनुष्यों के बीच एक ही मध्यस्थ भी है, अर्थात् मसीह यीशु, जो मनुष्य है।"**

– 1 तीमुथियुस 2 : 5

यीशु मसीह ने अपनी दुख भरा क्रूश के मृत्यु के द्वारा हमारे लिए उद्धार को कमाया। सच्ची लूथरान कलीसिया ये शिक्षा देती है कि सिर्फ यीशु मसीह के द्वारा ही उद्धार प्राप्त कि जा सकता है। पिता परमेश्वर के पाश जाने को यीशु एकमात्र मार्ग है। (यूहन्ना 14 : 6)

इस अंतिम दिनों में कुछ झूठे लोग है जो मसीह का नाम का गलत इस्तेमाल करते है और गलत ऐसे शिखाते है। परन्तु हमारे प्रभु यीशु मसीह ने अपनी शिक्षा में अंतिम दिनों कि लक्षणों के बारे में निम्न प्रकार कहाँ है। **"और यदि वे दिन घटाए न जाते तो एक भी प्राणी न बचता, पन्तु चुने हुओं के कारण वे दिन घटा दिए जाएंगे। तब यदि कोई तुमसे कहे, 'देखो, मसीह यहाँ है या वहाँ है' तो विश्वास न करना। क्योंकि झूठे मसीह और झूठे नबी उठ खड़े होंगे तथा बड़े बड़े चिह्न और अध्बुत काम दिखाएगा, यहाँ तक कि यदि सम्भव हो तो चुने हुओं को बी भरमा दे। देखो, मैंने पहिले ही तुम को बता दिया।"**

– मत्ती 24 : 22-25

यूहन्ना इन लोगों को मसीह-विरोधी नाम दिया है क्योंकि वे यीशु मसीह के नाम पर खडा होना चाहते है। **"बच्चों, यह अन्तिम घड़ी है; और जैसा तुमने सुना था कि मसीह-विरोधी आने वाला है, वैसे ही अब अनेक मसीह-विरोधी उठ खड़े हुए हैं; इसी से हम जानते हैं कि यह अन्तिम घड़ी है। वे निकले तो हम ही में से, पन्तु वास्तव में हम में से नहीं थे; क्योंकि यदि वे हम में से होते तो हमारे साथ रहते; परन्तु वे निकल इसलिए गए कि यह प्रकट हो जाए किवे सब हम में से नहीं है। परन्तु तुम्हारा अभिषेक तो उस पवित्र से हुआ है, और तुम सब जानते हो। मैंने तुम्हें इसलिए नहीं लिका कि तुम सत्य को नहीं जानते, वरन् इसलिए कि तुम उसे जानते हो, क्योंकि कोई झूठ, सत्य की ओर से नहीं। झूठा कौन है केवल वह जो यीशु के मसीह होने का इनकार करता है? यही मसीह-विरोधी है, अर्थात् जो पिता और पुत्रका इनाकार करता है। जो पुत्र का इनाकार करता है, उसके पास पिता नहीं, जो पुत्र को मान लेता है, उसके पास पिता भी है। जहां तक तुम्हारा सम्बन्ध है, तुमने जो आरम्भ से सुना है, उसे अपने में बना रहने दो। जो कुछ तुमने आरम्भ से सुना है, यदि वह तुम में बना रहे तो तुम भी पुत्र में और पिता में बने रहोगे। जो प्रतिज्ञा स्वयं उसने हम से की है, वह यह है, अर्थात् अनन्त जीवन।"**

– 1 यूहन्ना 2 : 18-25

और **"प्रियो, प्रत्येक आत्मा की प्रतीति न करो, परन्तु आत्माओं को परखों कि वे परमेश्वर की ओर से हैं या नहीं; क्योंकि संसार में अनेक झूठे नबी निकल पड़े हैं। परमेश्वर के आत्मा को तुम इस से जान सकते हो : प्रत्येक आत्मा जो यह मानती है कि यीशु मसीह देह-धारण कर के आया है, वह परमेश्वर की ओर से है; और प्रत्येक आत्मा जो यीशु को नहीं मानती वह परमेश्वर की ओर से नहीं है; यहीतो मसीह-विरोधी की आत्मा है, जिसके विषय में तुम सुन चुके हो कि वह आने वाला है और अब भी संसार में है।**

बच्चों, तुम परमेस्वर से हो और तुम उन पर विजयी हुए हो; क्योंकि वहजो तुम में है, उस से जो संसारह में है, कहीं बढ़कर है। वे स्सार के हैं, इसलिए संसार की बातें बोलते हैं, और संसार उनकी सुनता है। हम परमेश्वर से हैं, वह जो परमेश्वर को जानता है, हमारी सुनता है; और जो परमेश्वर से नहीं, हमारी नहीं सुनता। इसी से हम सत्य की आत्मा और भ्रान्ति की आत्मा को पहिचानते हैं।"

– 1 यूहनाना 4 : 1-6.

परन्तु हम लूथरन लोग विश्वास करते है और दूसरों को सिखाते भी है कि वे हमारे प्रभु यीशु मसीह के बिना आकाश के नीचे और जमीन के ऊपर दूसरा कोई नाम हमें नहीं दिया गाया है कि उस नाम में हम उद्धार पा सकें। सिर्फ हमारे प्रभु यीशु ही है जो अपनी दुखमय क्रूश के मृत्यु के द्वारा हमारा मिलन पिता परमेश्वर के साथ करवाया।

"और उसके क्रूस पर बहाए गए लहू के द्वारा शान्ति स्थापित कर के उसी के द्वारा समस्त वस्तुओं का अपने साथ मेल कर ले – चाहे वे पृथ्वी पर की हों अथवा स्वर्ग में की।"

– कुलुस्सियों – 1 : 20;

''अब ये सबबातें परमेश्वर की ओर से है, जिसने मसीह के द्वारा हमारा मेल अपने साथ कर लिया, और हमें मेल-मिलाप की सेवा दी। अर्थात् परमेश्वर, लोगों के अपराधों का दोष उन पर न लगाते हुए, मसीह में जगत का मेल-मिलाप अपने साथ कर रहा था और उसने हमें मेल-मिलाप का वचन सौंप दिया है। इसलिए हम मसीह के राजदूत हैं, मानो परमेश्वर हमारे द्वारा विनती कर रहा है; हम मसीह की ओर से तुम से निवेदन करते है कि परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप कर लो। जो पाप से अनजान था, उसी को उसने हमारे लिए पाप ठहराया कि हम उसमें परमेश्वर की धार्मिकता बन जाए।"

– 2 कुरिन्थियों – 5 : 18-21

कृपया निम्नलिखित वचनों को पढ़िए एवं जान ले कि उद्धार पाना सिर्फ यीशु मसीह के द्वारा ही सम्भव है, परन्तु दूसरा किसी से नही। कुलुसियों अध्याय 1, ईब्रुनियों अध्याय 1, और यूहन्ना अध्याय 1, मनुष्य को बचाने काम परमेश्वर का ही है। हमारे प्रभु यीशु मसीह सच्चा और जीवित परमेश्वर है। वह मनुष्य को बचाने का काम को मनुष्य बनकर संपन्न किया जैसे हम अपनी बच्चों को लूथर की छोटा कातेटिज़म सिखाते है कि, मैं प्रभु यीशु पर जो सच्चा परमेश्वर है, जो परमेश्वर से उत्पन्न हुआ और अनादी काल से अनंतकाल तक है, वह एक संपूर्ण मनुष्य भी था, कुँमारी मरियम की गर्भ से जन्म लिया, जो मेरा परमेश्वर है, मुझ जैसे कीड़ा को बचाया जो पाप से नष्ट हो गया था। वह अपनी क्रूश के ताड़ना और दुख भरा मृत्यु के द्वारा और अपनी बहुमूल्य लहू के द्वारा मुझे मृत्यु से, पाप से तथा शैतान की सामर्थ से बचाया। में उसपर विश्वास करता हूँ और उसकाँ आदर भी करता हूँ।

वह सोना और चाँदी जैसे बहुमूल्य वस्तुओं से नही परन्तु अपनी बहुमूल्य लहू से मेरा उद्धार किया है। ताकि में उसका बनजाऊँ।

हम सिर्फ वचन के द्वारा उद्धार पाते है।

परमेश्वर का वचन जीवन्त और सक्रिय है, **"क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, प्रबल और किसी भी दोधारी तलवार सेतेज़ है। वह प्राण और आत्मा, जोड़ों और गूदे, दोनों को आरपार बेधता और मन के विचारों तथा भावनाओं को परखता है।"**

– इब्रानियों - 4 : 12.

हम मनुष्य के द्वारा बनाया हुआ परंपराओं के द्वारा उद्धार पाया नही है या पोप का और चर्च काऊशिल का सुझाव और बातों से हम स्वर्ग नही जा सकते। कुछ लोगों का मतदान से हम पाप क्षमा नहीं पा सकते। हम केवल वचन के द्वारा उद्धार पाया है जो सामर्थ है और हमें उद्धार पाने के लिए वधिमान बना

सकता है। एक पुराना कहावत है, मनुष्य की बाहु तुझे उठा नही सकता या तु अपने पर भी भरोसा नही कर सकता मनुष्य पर भरोसा रखना हवा में एक स्थान पर झूलना के बराबर है। यदि कोई मनुष्य परमेश्वर वचन बोलने के द्वारा यदि किसी का उद्धार हो तो यह उद्धार उस मनुष्य के द्वारा नहीं हुआ परन्तु परमेश्वर के द्वारा हुआ।

पवित्र शास्त्र बाइबल परमेश्वर का वचन है, परन्तु कोरान परमेश्वर का वचन नही है। अन्य धर्म ग्रन्थों भी परमेश्वर का पवित्र वचन बन नही सकते। **"सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और शिक्षा, ताड़ना, सुधार और धार्मिकता की शिक्षा के लिए उपयोगी है, जिससे कि परमेश्वर का भक्त प्रत्येक भले कार्य के लिए कुशल और तत्पर हो जाए।"**

– 2 तीमुथियुस 3 : 16-17.

उपरोक्त वचन तथा बाईबल के अन्य वचनों के द्वारा हम यह कह सकते है कि पवित्र बाइबल ही सचमुच परमेश्वर का वचन है जो उद्धार का सत्य मार्ग बताती है। यदि आप अन्य किसी भी धर्म-ग्रन्थ को पढेंगे तो वे सब एक ही बात जो अच्छी कामों में उद्धार पाने का बताते है परन्तु सिर्फ पवित्र बाइबल ही ऐसे एक धर्म ग्रन्थ है जो अच्छे कामों से नही परन्तु केवल अनुग्रह से, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा ही उद्धार पा जा सकता है, इस बात को प्रकट करती है। **"अतः नबियों का जो वचन हमारे पास है, वह और भी अधिक प्रमाणित हुआ। इस पर ध्यान देकर तुम अच्वा करोगे मानो कि यह अंधेरे में चमकता हुआ एक दीपक है, जो उस समय तक चमकता है जब तक पौ न फटे और तुम्हारे हृदय में भोर का तारा उदय न हो।"**

– 2 पतरस - 1 : 19

पवित्र शास्त्र बाइबल इस लिए परमेश्वर का वचन है कि हम उसमें हमारे प्रभु यीशु मसीह के बारे में पढ़ते है जो हमारे उद्धारकर्ता है; केवल हमसे ही नही

परन समग्र दुनिया का भी। बाईबल सचमुच यीशु मसीह का भविष्यवाणीयोंका व्यक्त करती है।

"और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, तथा तेरे वंश और इसके वंश के बीच में, बैर उत्पन्न करूँगा : वह तेरे सिर को कुचलेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।"

– उत्पत्ति 3 : 15

वह स्त्री का बीज है जो शैतान का सिर को कुचला है। शैतान यीशु मसीह का पादों को ढोसा लेकिन प्रभु यीशु मसीह क्रूश के मृत्यु के द्वारा शैतान का शर को कुचला और तीसरा दिन मृतकों में से जी उठा प्रभु यीशु मसीह परमेश्वर का पवित्र वचन के नाम से भी जाना जाते है। **"आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेस्वर था। और वचन, जो अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण था, देहधारी हुआ, और हमारे बीच में निवास किया, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी जैसी जैसी पिता के एकलौते की महिमा।"**

– 1:1, 14;

"तुम पवित्रशास्त्रों में ढूँढते हो क्योंकि तुम सोचते हो कि उनमें अनन्त जीवन मिलता है, और ये वे ही है जो मेरे विषय में साक्षी देते हैं।"

–यूहन्ना - 5:39

"वह लहू में डूबोया हुआ वस्त्र पहिने है, और उसका नाम 'परमेस्वर का वचन' है।"

– प्रकाशितवाक्य 19:13

हम इस दुनिया जो पाप के सागर में डूबा हुआ है, जीवन व्यतीत करते है। परमेश्वर का वचन का अध्ययन और मगन के द्वारा हम इस अन्धकार कि

दुनिया में दुनिया की जोति को पा सकते हैं। **"तेरा वचन मेरे पांव के लिए दीपक, और मेरे मार्ग के लिए उजियाला है।"**

– भजन संहित - 119:105

एक लूथरान कौन है? एक लूथरान ऐसा एक मसीही व्यक्ति है जो विश्वास करता है, मनुष्य सिर्फ अनुग्रह से, सिर्फ विश्वास के द्वारा, सिर्फ यीशु मसीह के द्वारा तथा सिर्फ वचन के द्वारा ही उद्धार पाया जा सकता है।

सारे महिमा हमारे प्रभु परमेश्वर को ही मिले। 'अमिन'